Tattvarthadhigam Sutram Part 04

Folder No.	022488
Granth Name	Tattvarthadhigam Sutram Part 04
Author	Rajshekharsuri, Dharmshekharvijay, Divyashekharvijay
Publisher	Arihant Aradhak Trust
Edition	1
Year	2014
Pages	154

તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૪

ફોલ્ડર નં.	૦૨૨૪૮૮
ગ્રન્થ	તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૪
લેખક	રાજશેખસૂરિ, ધર્મશેખવિજય, દિવ્યશેખરવિજય
પ્રકાશક	અરિહંત આરાધક ટ્રસ્ટ
આવૃત્તિ	૧
પ્રકાશન વર્ષ	૨૦૧૪
પૃષ્ઠ	૧૫૪

મુખ્ય ટાઈટલ

सुकृतम् ---------- २
भूमिका ---------- ३
संपादकनी संवेदना ---------- ११
विषयानुक्रम---------- १३
सूत्र-१ देवाश्चतुर्निकाया ---------- २
सूत्र-२ तृतीय पीतलेश्य ---------- ४
सूत्र-३ दशा-ष्ट-पञ्च-द्वादश-विकल्पा ---------- ५
सूत्र-४ इन्द्र-सामानिक-त्रायस्त्रिंश-पारिषद्या ---------- ७
सूत्र-५ त्रायस्त्रिंश-लोकपालवर्ज्या व्यन्तर-ज्योतिष्का ---------- १०
सूत्र-६ पूर्वयोर्द्वीन्द्रा ---------- १०
सूत्र-७ पीतान्तलेश्या ---------- १२
सूत्र-८ कायप्रवीचारा आ ऐशानाद् ---------- १३
सूत्र-९ शेषाः स्पर्श-रूप-शब्दःमनःप्रवीचारा ---------- १४
सूत्र-१० परेप्रवीचारा---------- १८
सूत्र-११ भवनवासिनो सुर नाग विद्युत ---------- २१
सूत्र-१२ व्यन्तरा किन्नर-किम्पुरुष-महोरग---------- ३०
सूत्र-१३ ज्योतिष्काः सूर्याश्चन्द्रमसो ग्रह नक्षत्र ---------- ३५
सूत्र-१४ मेरुप्रदक्षिणा नित्यगतयो नृलोके ---------- ४१
सूत्र-१५ तत्कृतः कालविभाग ---------- ४९
सूत्र-१६ बहिरवस्थिता ---------- ६७
सूत्र-१७ वैमानिका ---------- ६९

सूत्र-१८ कल्पोपपन्ना कल्पातीताश्च ---------- ७०
सूत्र-१९ उपर्युपरि ---------- ७०
सूत्र-२० सौधर्मेशान-सनत्कुमार-माहेन्द्र-ब्रह्मलोक ---------- ७१
सूत्र-२१ स्थिति प्रभाव सुख द्युति लेश्या ---------- ७८
सूत्र-२२ गति शरीर परिग्रहाभिमानतो हीना ---------- ८४
सूत्र-२३ पीत पद्म शुक्ललेश्या द्वि त्रि शेषेषु ---------- ९७
सूत्र-२४ प्राग् ग्रैवेयकेभ्य कल्पा ---------- ९८
सूत्र-२५ ब्रह्मलोकालया लोकान्तिका ---------- ९९
सूत्र-२६ सारस्वता दित्य वह्न्य रूण ---------- १००
सूत्र-२७ विजयादिषु द्विचरमा ---------- १०३
सूत्र-२८ औपपातिकमनुष्येभ्य शेषास्तिर्यग्नोय ---------- १०५
सूत्र-२९ स्थिति ---------- १०६
सूत्र-३० भवनेषु दक्षिणार्धाधिपतीनां ---------- १०६
सूत्र-३१ शेषाणां पादोने ---------- १०७
सूत्र-३२ असुरेन्द्रयो सागरोपममाधिकं ---------- १०८
सूत्र-३३ सौधर्मादिषु यथाक्रमम् ---------- १०९
सूत्र-३४ सागरोपमे ---------- ११०
सूत्र-३५ अधिके च ---------- ११०
सूत्र-३६ सप्त सनत्कुमारे ---------- १११
सूत्र-३७ विशेष त्रि सप्त दशैकादश त्रयोदश ---------- १११
सूत्र-३८ आरणाच्युतादूर्ध्वमेकैकेन नवसु ग्रैवेयकेषउ---------- ११२
सूत्र-३९ अपरा पल्योपममधिकं च ---------- ११५
सूत्र-४० सागरोपमे ---------- ११५
सूत्र-४१ अधिके च ---------- ११६
सूत्र-४२ परतः परतः पूर्वा पूर्वानन्तरा ---------- ११६
सूत्र-४३ नारकाणां च द्वितीयादिषु ---------- १२०
सूत्र-४४ दशवर्षसहस्राणि प्रथमायाम् ---------- १२१
सूत्र-४५ भवनेषु च ---------- १२२
सूत्र-४६ व्यन्तराणां च ---------- १२२
सूत्र-४७ परा पल्योपमम् ---------- १२३
सूत्र-४८ ज्योतिष्काणामधिकम् ---------- १२३
सूत्र-४९ ग्रहाणामेकम् ---------- १२३
सूत्र-५० नक्षत्राणामधर्म ---------- १२४
सूत्र-५१ तारकाणां चतुर्भाग ---------- १२४
सूत्र-५२ जघन्या त्वष्टभाग ---------- १२४
सूत्र-५३ चतुर्भाग शेषाणाम् ---------- १२४